समुद्री जलजीवशाला में पालन करने योग्य सामान्य अलंकारी मछलियाँ

बी. जेन्नी, वी. पी. विपिनकुमार, *एम. के. अनिल, ए.के.षाजी, के. एस. अभिलाष और एस. सुनिल
केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्ची, केरल
*सी एम एफ आर आइ विषिंजम क्षेत्रीय केन्द्र, विषिंजम, तिरुवनंतपुरम, केरल
संपर्क का ईमेलः jennihsharma@gmail.com

भारत में समुद्री जलजीवशाला का व्यापार तेज़ी से बढ़ रहा है और इसका मुख्य हितधारक तटीय जनता है। अलंकारी मछलियों का व्यापार पूरी तरह व्यवस्थित नहीं है और मछुआरे इंटरनाशनल यूनियन फोर कन्सेर्वेशन ऑफ नेचर (आइ यु सी एन) सूची में वर्गीकृत प्रजातियों के बारे में अनजान हैं। इस लेख में समुद्री जलजीवशाला में पालन की जाने वाली मछलियों की विशेषताओं को शामिल किया है।

क्लाउन अनिमोन मछली

वैज्ञानिक नाम	*एम्फीप्रियोन ओसेल्लारिस*
Scientific name	*Amphiprion ocellaris* (Cuvier, 1830)
सामान्य नाम	निमो/ क्लाउन अनिमोन मछली
Common name	Nemo/Clown anemone fish
कुटुम्ब	पोमासेंट्रिडे
Family	Pomacentridae
भौगोलिक रेंज	यह मछली उष्णकटिबंधीय एवं चट्टानों से संबंधित है जोकि 3 से 15 मी.तक की गहराई में पायी जाती है।

नैदानिक व्याख्या : पृष्ठ पख में 10-11 रीढ़ और अंस पख में 17 रे शामिल हैं। पुच्छीय पख गोलाकार है। 34 से 48 शल्कों के साथ पार्श्व रेखा में बाधाएं दिखाई पड़ती है। तीन सफेद पट्टियों सहित महीन काली रेखाओं के साथ सीमांकित शरीर का रंग चमकीला नारंगी है। अधिकतम रिपोर्ट की गयी कुल लंबाई 11.0 से. मी. है।

व्यवहार : अप्रवासी प्रजातियां – प्रत्येक मछली समुद्री एनिमोन के साथ सहजीवी संबंध बनाती है, जो समुद्री एनिमोन के चुभने वाली स्पर्शकों के लिए सुरक्षात्मक श्लेष्मों को अनुकूल बनाती है। ये मछलियां उभयलिंगी हैं और छोटे ग्रुपों में रहती हैं। इनमें मादा मछली सबसे बड़ी है, इसके बाद प्रजनन नर और छोटे प्रजनन रहित नर मछलियां हैं। अगर मादा मछली की मृत्यु होती है, तो बडा नर मछली मादा बन जाती है और अगला बड़ा नर मछली प्रजनन नर (breeding male) बन जाता है। प्राकृतिक स्थानों में इन मछलियों का जीवन काल 6 से 10 वर्ष तक है।

आर्थिक महत्त्व	जलजीवशाला में व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	कम संकट युक्त (आइ यु सी एन)
Conservation status	Least Concern (IUCN)

लायन फिश

वैज्ञानिक नाम	*टेरियोस आन्टेन्नेटा*
Scientific name	*Pterois antennata* (Bloch,1787)
सामान्य नाम	लायन फिश
Common name	Lion fish
कुटुम्ब	स्कोरपिनिड़े
Family	Scorpaenidae
भौगोलिक रेंज	इंडो-पसफिक एवं 50 मी. की गहराई में प्रवाल भित्तियों तथा चट्टानों के निकटवर्ती/ अपतटीय जल के निवासी हैं ।

नैदानिक व्याख्या : मछली के प्रथम पृष्ठ पख में 12 से 13 रीढ़ हैं, दूसरे पृष्ठ पख में 11 से 12 कोमल रे हैं, गुद पख में 3 रीढ़ें शामिल हैं जिनके बाद 6 मृदु गुद रे हैं तथा अंस पख में 17 बिना शाखाओं के मृदु रे शामिल हैं। मछलियों का रंग भिन्न है परन्तु आमतौर पर शरीर में कई काली सीधी रेखाओं के साथ लाल से पीला भूरा रंग है। अंस पख के अंतर्ज्वारीय झिल्ली में कई बिखरे हुए काले धागे शामिल हैं। किशोरों के आंखों के ऊपर अधिकक्षीय

स्पर्शकों जैसी संरचनाएं स्थित हैं। अधिकतम लंबाई 20 से.मी. है।

व्यवहार : निशाचर है और पृष्ठ कंटक विषैला है। लायन मछली का अधिकांश भोजन रात के पहले घंटे के भीतर होता है। अन्य अस्थिल मछलियों की तरह लायन मछली में कंपन और दबाव (पार्श्व रेखा), रसायनों (नेयर) और आँखों में संवेदी संरचनाएं होती हैं जो ध्रुवीकृत प्रकाश को अलग कर सकता है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	कम संकट युक्त (आइ यु सी एन)
Conservation status	Least Concern (IUCN)

नीला–हरा डामसेल

वैज्ञानिक नाम	*क्रोमिस विरिडिस*
Scientific name	*Chromis viridis* (Cuvier,1830)
सामान्य नाम	नीला–हरा डामसेल
कुटुम्ब	पोमासेन्ट्रिडे
Common name	Blue-green damsel
Family	Pomacentridae

भौगोलिक रेंज : इंडो पसफिक और 1-20 मी. की गहराई में पायी जाती है। प्रौढ़ मछलियाँ उप- ज्वारीय रीफ और लैगूनों में पाए जाने वाले एक्रोपोरा प्रवालों के साथ पायी जाती हैं।

नैदानिक स्थिति : इनमें 12 पृष्ठ पख, 9-11 पृष्ठीय सोफ्ट रे, 2 गुद कंटक, 9-11 गुदीय सोफ्ट रे हैं। इसकी वृद्धि अधिकतम 10 से. मी. होती है। शरीर के आधार का रंग हरा है साथ में हरा से नीला सप्तवर्ण है, नीचे की ओर सफेद या चांदी का रंग लुप्त होते हुए दिखता है। पुच्छीय पख में गहरा काँटा है और उसके अग्र छोटे तंतुओं में विस्तरित हो सकते है। पृष्ठीय तथा एनल पख भी छोटे तंतुओं में विस्तृत हो सकते हैं। शल्क अपेक्षाकृत बड़े होते हैं और आसानी से अलग हो जाता है।

व्यवहार : अप्रवासी प्रजाति जो प्राणिप्लवक खाती है। *सी. विरिडिस* रेत या पत्थर के टुकडों में अड़जनन करता है। नर मछली नीड की तैयारी करता है और अनेक मादा मछलियों के साथ बांटता है। अंडजनन के समय नर मछली का रंग और भी पीला हो जाता है। 10 से.मी. की लंबाई में मछली की अधिकतम वृद्धि होती है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	इसका मूल्यांकन नहीं किया गया है
Conservation status	Not evaluated

येलो एड्ज्ड मोरे ईल

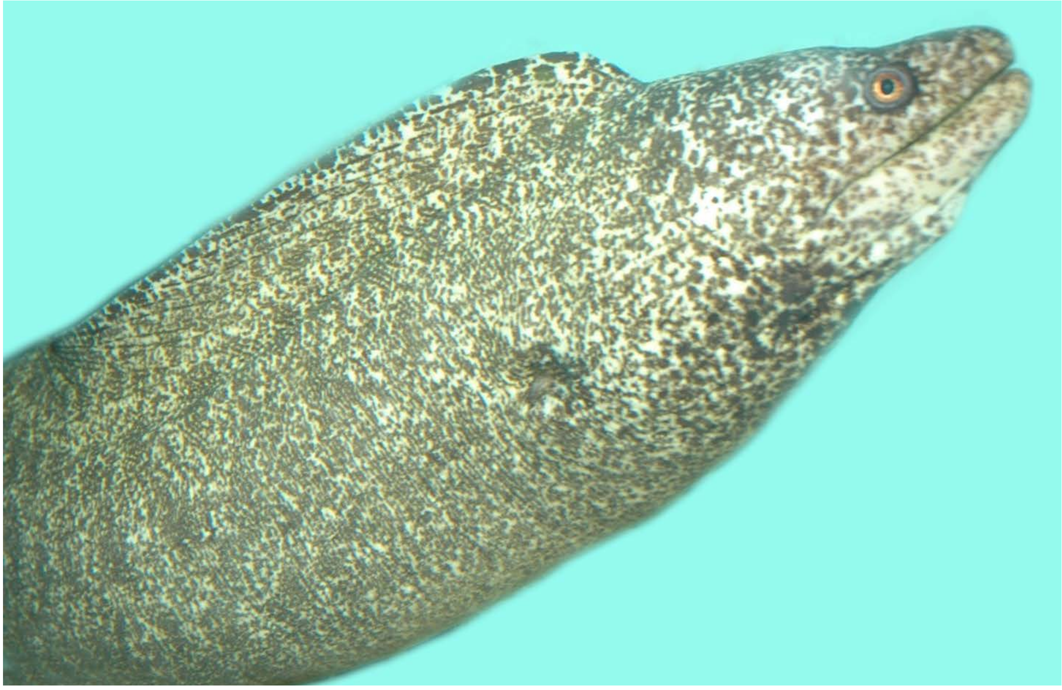

वैज्ञानिक नाम	*जिम्नोथोराक्स फ्लावीमारजिनेटस*
Scientific name	*Gymnothorax flavimarginatus* (Ruppell,1830)
सामान्य नाम	येलो एड्ज्ड मोरे/ईल
Common name	Yellow edged moray/Eel
कुटुम्ब	मुरेनिडे
Family	Muraenidae

भौगोलिक स्थिति : इंडो पसफिक सागर में 150 मी. की गहराई में यह पायी जाती है। चट्टानों और संरक्षित तट रेखाओं से समुद्री चट्टानों तक के विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों में निवास करती है।

नैदानिक स्थितिः उभड़े हुए सिरवाली पतली मछली का थूथन गोलाकार है और इसकी पूंछ नीचे की ओर पतला है। इसमें पृष्ठीय कंटक, पृष्ठीय सोफ्ट रे, गुद कंटक तथा गुद सोफ्ट रे नहीं हैं। कुल कशेरुकियां 129-137 हैं। इसका रंग पीला है जिसमें अधिकांश सतह को ढके हुए गहरे भूरे या काले रंग के धब्बे है। किशोरों का रंग कभी-कभी भूरे धब्बों के साथ चमकीला पीला है। प्रौढ़ मछलियों में पखों के पीछे के किनारे का रंग पीला-हरा है। काले धब्बे में क्लोम खुला है। सिर के सामने का भाग बैंगनी धूसर रंग का है और आंखें लाल हैं। बड़े मुंह में निचले जबड़े में छोटे नुकीले दांतों की एक पंक्ति होती है और मुंह के ऊपरी भाग में वोमेरिन दांत (vomerine teeth) होते हैं। पृष्ठीय पख सिर के ठीक पीछे से पूंछ के चारों ओर तक फैला हुआ है, जहां से ये पुच्छीय या गुद पख के रूप में बढ़ते है। येलो एड्ज्ड मोरे 240 से.मी. की अधिकतम लंबाई तक बढ़ सकते है।

व्यवहार : नितलस्थ और मांसभक्षी स्वभाव की है। यह मछली दिन के समय चोट लग गयी किसी मछली की उपस्थिति महसूस करने पर चट्टानों से बाहर दिखायी पड़ती है। इस तरह की उपस्थिति की नियमितता और शीघ्रता यह स्पष्ट करती है कि *जी. फ्लावीमार्जिनेटस* एक घायल या तनावग्रस्त मछली से निकलने वाली उत्तेजनाओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	कम संकट से युक्त
Conservation status	Least concern

बर्ड रासे

वैज्ञानिक नाम	*गोमफोसस वेरियस*
Scientific name	*Gomphosus varius* (Lacepede,1801)
सामान्य नाम	बर्ड रासे
Common name	Bird wrasse
कुटुम्ब	लाब्रिडे
Family	Labridae

भौगोलिक सीमा : इंडो-पसफिक और चट्टानों से संबंधित मछली 1-35 मी. की गहराई में पायी जाती है।

नैदानिक व्याख्या : 8 पृष्ठीय रीढ़ तथा 13 पृष्ठीय सोफ्ट रे 3 एनल रीढ़ तथा 11 एनल सोफ्ट रे हैं। लम्बे थूथन से पहचाना गया। किशोर मछलियों में लम्बे थूथन की कमी है। अधिकतम लंबाई 30 से.मी. है।

व्यवहार : इसका शरीर लंबा है और नीचे की ओर संकुचित है, लंबी थूथन के साथ छोटी पूंछ है। प्रौढ़ मछलियों के विशिष्ट लम्बे नाक होते है और तैरते समय उनके अंस पखों के झटकेदार फडफडाने से पहचानना आसान होता है। किशोरों को पहचानना और भी मुश्किल है क्योंकि उनमें मुख्य थूथन विकसित नहीं हुआ है। अंडाकार जीव और प्रजनन के दौरान विशिष्ट युग्मज। यह मछली अनुक्रमिक उभयलिंगी है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	कम संकट से युक्त
Conservation status	Least concern

ओडोनस नीगर

वैज्ञानिक नाम	*ओडोनस नीगर*
Scientific name	*Odonus niger* (Ruppell,1836)
सामान्य नाम	लाल दांतोंवाली ट्रिगर मछली
Common name	Red-toothed triggerfish
कुटुम्ब	बालिस्टिडे
Family	Balistidae

भौगोलिक सीमा : उष्णकटिबंधीय इंडो-पसफिक. 9-30 मी. की गहराई में पायी जाती है।

नैदानिक व्याख्या : 3 पृष्ठीय कंटक तथा 33-36 पृष्ठीय सोफ्ट रे, 0 एनल कंटक और 28-31 ऐनल सोफ्ट रे.

व्यवहार : हल्के नीले सिर से युक्त मछली का रंग नीले

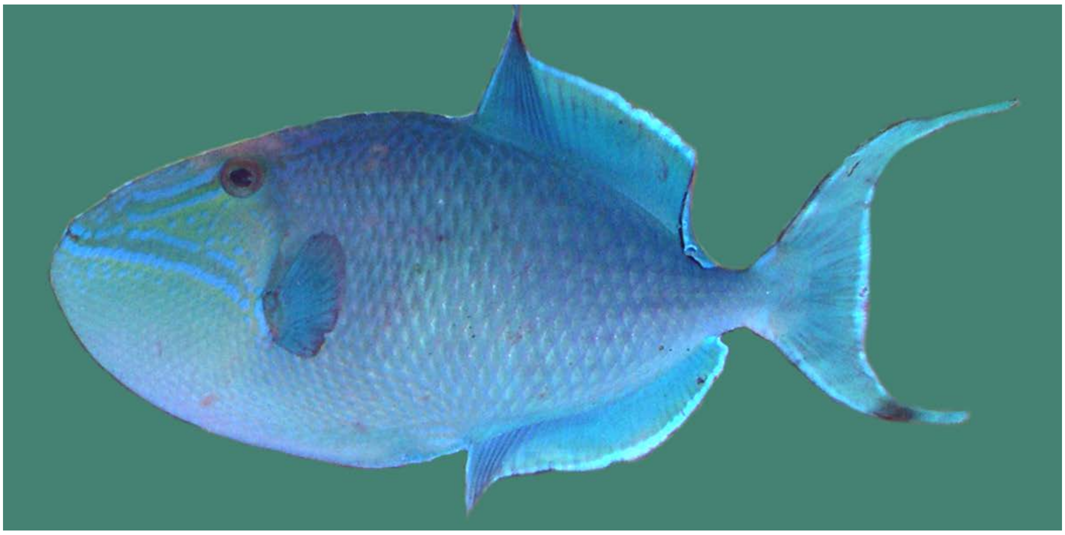

से बैंगनी है। सभी मध्य पखों में हल्के नीले रंग के मार्जिन होते हैं। दूसरे पृष्ठीय और एनल पखों के आगे का भाग ऊपर उठाया हुआ है। प्रौढ़ मछलियों में लम्बी पालि से युक्त पुच्छीय पख का आकार अर्ध चंद्राकार है। शरीर के पीछे छोटे कंटकों की पंक्तियां हैं। ऊपर की ओर उठे हुए मुंह के ऊपरी जबड़े में दो लंबे लाल दांत होते हैं। ये दांत मुंह बंद होने पर दिखाए पड़ते हैं। इनमें मनोदशा, खाद्य और पानी की गुणता के अनुसार बैंगनी से नीला और नीला से हरा रंग होने की क्षमता है। उनके अंसीय पख काफी छोटे हैं, इसलिए ये अपने पृष्ठीय तथा गुदीय पखों, जो उन्हें गतिशील बनाते हैं, के सहारे तैरती हैं। प्रोपेलर को याद दिलाते हुए तेज़ी से तैरने के लिए इन पखों का उपयोग करती है। यह महासागर में विशेष तरह तैरने की शैलियों में से एक है। विशिष्ट युग्मन मादा मछलियां अंडे देती हैं परन्तु दोनों मछलियां, जोकि नर और मादा मछलियां अंडों की देखभाल करती हैं। यह मछली प्लवक भोजी है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	मूल्यांकन नहीं किया गया है
Conservation status	not evaluated

सिगानस जावुस

वैज्ञानिक नाम	*सिगानस जावुस*
Scientific name	*Siganus javus* (Linnaeus,1766)
सामान्य नाम	धारीदार स्पाइनफुट
Common name	Streaked spinefoot
कुटुम्ब	सिगानिड़े
Family	Siganidae
भौगोलिक सीमा	इंडो पसफिक, 1 मी. से 25 मी. की गहराई में पायी जाती है
Geographic range	Indo-Pacific. depths between 1 m to 25 m.

नैदानिक व्याख्या : पृष्ठीय पख में 13 कंटक और 10 सोफ्ट रे हैं, जब कि गुदा पख में 7 कंटक और 9 सोफ्ट रे हैं। कशेरुकियों की संख्या 13 है। पुच्छीय पख सीमान्त में स्थित है। यह प्रजाति 53 से.मी. की अधिकतम लंबाई अर्जित करती है, जब कि 30 से.मी. साधारण लंबाई है। मछली का समग्र रंग धूसर है और शरीर के निचले भाग की ओर सफेद रंग लुप्त होता है परन्तु गाल और ओंठ पीले रंग के हैं। सिर और शरीर के ऊपरी भाग में छोटे सफेद चित्तियाँ हैं, मध्य से निचले किनारों तक अनियमित टेढ़ी- मेढी धारियां हैं और पुच्छीय पख का अधिकांश क्षेत्र काले रंग का है। पुच्छीय, गुदीय और श्रोणी पखों में सुनहरे कंटक और रे है जबकि इनकी झिल्लियां सावली या सुनहरी हो सकती हैं और श्रोणी पख सुनहरे रंग के हैं।

स्वभाव : पृष्ठीय, एनल और श्रोणी पखों के कशेरुकियों में विषैली ग्रंथियां उपस्थित हैं। समुद्रगामी स्वभाव की है। अधःस्तरों में पाए जाने वाले शैवालों तथा तैरते हुए शैवाल के टुकडों को खाती है। खाद्य न खाते समय मध्य जल में 2 से 6 मी तक की गहराई में विश्राम करती हुई पायी जाती है।

आर्थिक प्रधानता : कुछ देशों में यह मछली जलजीवशाला व्यापार / खाद्य मछली / जलजीव पालन प्रजाति के रूप में उपयोग की जाती है।

परिरक्षण स्थिति	कम संकट से युक्त
Conservation status	Least concern

सेइलफिन टांग

Scientific name	*Zebrasoma veliferum* (Bloch,1795)
वैज्ञानिक नाम	*ज़ीब्रासोमा वेलिफेरम*
Common name	sailfin tang
सामान्य नाम	सेइलफिन टांग
कुटुम्ब	अकान्थूरिडे
Family	Acanthuridae
भौगोलिक सीमा	पूर्वी हिन्द महासागर से प्रशांत महासागर तक गहराई की स्थिति 1-45 मी.

नैदानिक व्याख्या : 4-5 पृष्ठीय कंटक, 29-33 पृष्ठीय सोफ्ट रे, 3 गुदा पख, 23-26 एनल सोफ्ट रे मौजूद हैं। पृष्ठीय पख थोड़ा ऊपर उठाया हुआ है, लम्बी रे मानक लंबाई से 2.1 से 2.5 गुना तक छोटी है। *इजेड. वेलिफेरम* गहरे भूरे से भूरे-काले रंग की सीधी पीली रेखाओं और छह संकरी पट्टियों के साथ होता है जो तिरछे आगे की ओर झुकी होती हैं। आँखों के सामने कई छोटी सफेद चित्तियों के साथ सिर का रंग हल्का भूरा है। इन प्रजातियों के पृष्ठीय और एनल पख हल्के नीले या हरित किनारों के साथ गहरे भूरे रंग का है। पुच्छीय पख का रंग पीला है। किशोरों में बारी-बारी से पीली और काली पट्टियाँ मौजूद हैं। मछली की वृद्धि 40 से.मी. की अधिकतम लंबाई तक होती है ।

व्यवहार : नितलस्थ और पत्तेदार सूक्ष्म शैवाल खाती है। यह प्रजाति अपेक्षाकृत दीर्घायु है, और लगभग 25 वर्ष तक जीवित रहती है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	कम संकट से युक्त
Conservation status	Least concern

कोरुलियन डामसेल

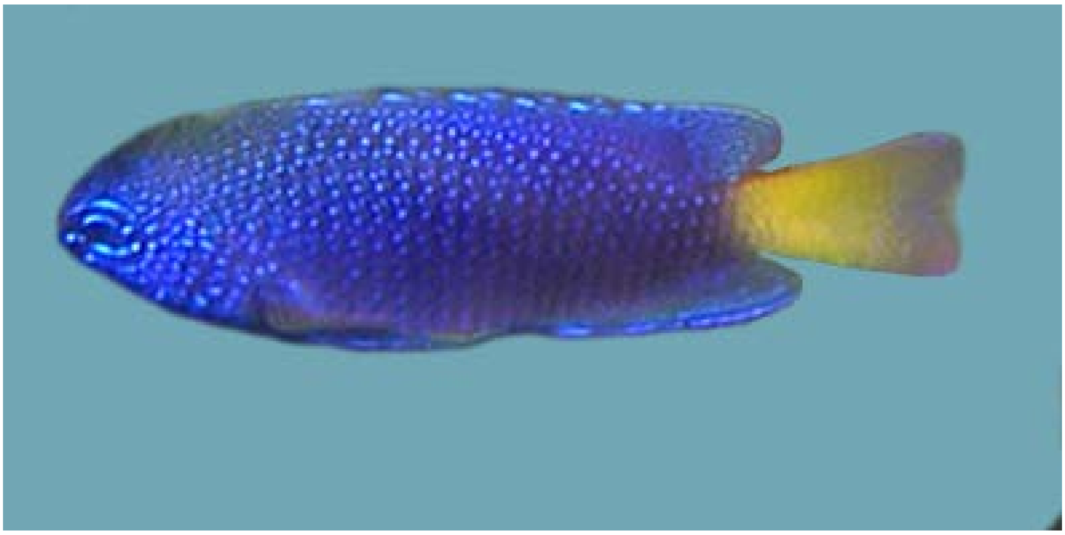

वैज्ञानिक नाम	*पोमासेंट्रस सीरुलस*
Scientific name	*Pomacentrus caeruleus* (Quoy & Gaimard,1825)
सामान्य नाम	कोरुलियन डामसेल
Common name	Caerulean damsel
कुटुम्ब	पोमासेंट्रिडे
Family	Pomacentridae
भौगोलिक सीमा	पश्चिमी हिन्द महासागर में 1-20 मी. की गहराई में पायी जाती है।
Geographic range	Western Indian Ocean, depth range 1–20 m

नैदानिक स्थिति : 13 पृष्ठीय कंटक, 14-15 पृष्ठीय सोफ्ट रे, 15-16 एनल सोफ्ट रे है। शरीर अंडाकार है और पार्श्व में स्थित दबी हुई आंखें बड़ी हैं। नुकीले पृष्ठ सिरों के साथ पृष्ठीय तथा एनल पख नरम और कोणीय है। पुच्छीय पख गोलाकार पालि के साथ कटा हुआ है। शरीर के ऊपरी भाग तथा पृष्ठीय पख इलेक्ट्रिक ब्लू रंग का है तो सोफ्ट पृष्ठीय पख नीले बिंदुओं के साथ पीले रंग में परिवर्तित होते हुए दिखाई देता है। निचला पार्श्व भाग, उदर सतह और श्रोणी पख पीले रंग का है। कवच पख कांच की

तरह पारदर्शी है। गुदा पख नीली पट्टियों के साथ पीले रंग का है। डंठल और पुच्छीय पख पीले रंग का है।

व्यवहार : चट्टानों से संबंधित, गैर-प्रवासी, अंडाकार जीव, प्रजनन के दौरान विशिष्ट युग्मज। अंडे तलमज्जी है और अधःस्तर में चिपक कर रहते हैं। नर मछलियां अंडों की रक्षा करके वायु प्रसार में मदद करती हैं ।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
परिरक्षण स्थिति	मूल्यांकन नहीं किया गया है
Conservation status	Not evaluated

सेर्जंट मेजर फिश

वैज्ञानिक नाम	*अबुडेफडफ वैगेन्सिस*
Scientific name	*Abudefduf vaigiensis* (Quoy & Gaimard,1825)
सामान्य नाम	सेर्जंट मेजर
Common name	Sergeant major
परिवार	पोमासेंट्रिडे
Family	Pomacentridae
भौगोलिक सीमा	उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय जल में 1 से 15 मी. की गहराई में पायी जाती है ।

नैदानिक व्याख्या : पीले शीर्ष के साथ सफेद नीला। इनके पृष्ठीय पख के चारों ओर काली चित्तियाँ हैं। इसकी आंखें पीली हैं। इस मछली के पृष्ठ पख में 13 पृष्ठीय रीढ़े हैं और 11 से 14 पृष्ठीय सोफ्ट रे हैं। गुद पख में 2 गुद काँटा और 11 से 13 एनल सोफ्ट रे हैं। मछली का पुच्छीय पख कांटेदार है; पृष्ठीय भाग में शरीर का रंग नीला- हरा है; उदरीय भाग में चांदी जैसे सफेद रंग की छाया है; सिर के ठीक पीछे पांच चौड़ी नीली काली पट्टियां हैं; काँटेदार दुम पंख; पृष्ठीय रूप से शरीर का रंग नीला-हरा है, उदर भाग में चांदी की सफेदी का छायांकन है; पहले सिर के ठीक पीछे पांच चौड़ी नीली काली पट्टियां हैं, तीसरी से पांचवीं पृष्ठीय पंख तक फैली हुई संकरी पुच्छल डंठल; पहले और तीसरे गहरे रंग की पट्टियों के बीच पृष्ठीय भाग का शरीर अक्सर पीला होता है। इसकी अधिकतम वृद्धि 20 से.मी. है।

व्यवहार : ये प्राणिप्लवक, नितलस्थ शैवाल और छोटे अकशेरुकियों को खाते हैं । प्रौढ़ मछलियां प्रवाल भित्तियों, ज्वार नालों तथा चट्टानों में रहती हैं। इस प्रजाति का डिम्भक खुले समुद्र में रहता है।

आर्थिक प्रधानता	जलजीवशाला व्यापार
Economic importance	Aquarium trade
Conservation status	Least concern
परिरक्षण स्थिति	कम संकट से युक्त